# MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

# सुगौली श्री गणेश पूजा समिति का गठन, जानें भव्य आयोजन की रणनीति!

## विषय सूची (Table of Contents):


>> सुगौली में श्री गणेश पूजा के भव्य आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक...

>> बैठक का उद्देश्य और मुख्य बिंदु...

>> स्थानीय श्रद्धालुओं का उत्साह...

>> महंथ मनीष दास के नेतृत्व में नई पूजा समिति का गठन...

>> समिति के मुख्य संरक्षक और मार्गदर्शक...

>> युवाओं और वरिष्ठ सदस्यों की सहभागिता...

>> आगामी गणेशोत्सव की तैयारियों और रूपरेखा पर विस्तृत रणनीति...

>> कार्यक्रमों की समय सारणी एवं 2026 अपडेट्स...

>> जन-कल्याण और प्रेरणादायक पहल...

>> पूजा पंडाल, सजावट और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष मंथन...

>> भव्य पंडाल और पर्यावरण अनुकूल सजावट...

>> सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी और मेडिकल टीम...

>> समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के बीच जिम्मेदारियों का बंटवारा...

>> विभिन्न उप-समितियों का गठन...

>> पारदर्शिता और डिजिटल रिकॉर्ड...

>> श्रद्धालुओं की सुविधा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा...

>> सांस्कृतिक संध्या और ज्ञानवर्धक सत्र...

>> पेयजल और स्वच्छता प्रबंधन...

>> शांतिपूर्ण एवं अनुशासित उत्सव के लिए स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील...

>> प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का अक्षरश: पालन...

>> निष्कर्ष...

>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...


सुगौली (मोतिहारी), बिहार:आगामी श्री गणेश पूजा 2026 को ऐतिहासिक, भव्य और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सुगौली में तैयारियां जोरों पर हैं। नगर व ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं में गणेशोत्सव को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

इसी क्रम में श्री गणेश पूजा समिति सुगौली की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आयोजन की भव्यता, सुरक्षा व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है।

## सुगौली में श्री गणेश पूजा के भव्य आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण ब

सुगौली के पावन परिसर में आयोजित इस बैठक में नगर के गणमान्य नागरिकों, बुद्धिजीवियों और उत्साही युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर पूजा पंडाल की स्थापना और विधि-विधान से जुड़े कार्यक्रमों का निर्धारण करना था।

## बैठक का उद्देश्य और मुख्य बिंदु

बैठक की शुरुआत भगवान श्री गणेश की वंदना के साथ हुई। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि इस वर्ष का गणेशोत्सव पहले से कहीं अधिक संगठित और भव्य होगा। इसमें धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेश भी प्रसारित किए जाएंगे।

धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज को जोड़ने की परंपरा रही है, जैसा कि हमनेरघुनाथपुर में तुलसी महोत्सव: जानें क्या है खास इस भव्य आयोजन में!के दौरान भी देखा था। सुगौली में भी उसी तरह की सांस्कृतिक चेतना का संचार देखने को मिल रहा है।

## स्थानीय श्रद्धालुओं का उत्साह

बैठक में उपस्थित स्थानीय लोगों ने अपने-अपने रचनात्मक सुझाव साझा किए। श्रद्धालुओं का मानना है कि सामूहिक प्रयास और अनुशासन से ही किसी बड़े धार्मिक उत्सव को यादगार बनाया जा सकता है।

## महंथ मनीष दास के नेतृत्व में नई पूजा समिति का गठन

समारोह के सफल संचालन के लिए एक सशक्त और जवाबदेह नेतृत्व की आवश्यकता पर बल दिया गया। सर्वसम्मति से महंथ मनीष दास के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में नईश्री गणेश पूजा समिति 2026का गठन किया गया।

## समिति के मुख्य संरक्षक और मार्गदर्शक

महंथ मनीष दास ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों का मूल उद्देश्य समाज में शांति, प्रेम और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने सभी सदस्यों से निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

## युवाओं और वरिष्ठ सदस्यों की सहभागिता

समिति में अनुभव और युवा ऊर्जा का बेहतरीन संतुलन बनाया गया है। वरिष्ठ नागरिकों को सलाहकार मंडल में रखा गया है, जबकि युवाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और व्यवस्थाओं की कमान सौंपी गई है।

## आगामी गणेशोत्सव की तैयारियों और रूपरेखा पर विस्तृत रणनीति

बैठक में पूजा की प्राथमिक रूपरेखा तैयार करते हुए पूरे कार्यक्रम काlatest updateसाझा किया गया। मूर्ति स्थापना से लेकर विसर्जन शोभायात्रा तक के प्रत्येक चरण के लिए सख्त समय-सीमा तय की गई है।

## कार्यक्रमों की समय सारणी एवं 2026 अपडेट्स

समिति ने निर्णय लिया है कि वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार ही समस्त अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। पूजा के पहले दिन से लेकर अंतिम दिन तक विशेष आरती और महाप्रसाद वितरण का समय निर्धारित कर दिया गया है।

>> कलश स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा:विद्वान पुरोहितों द्वारा शुभ मुहूर्त में वैदिक अनुष्ठान।

>> दैनिक संध्या आरती व भजन:स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों द्वारा भक्तिमय प्रस्तुतियां।

>> महाप्रसाद वितरण:प्रतिदिन हजारों भक्तों के लिए स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित प्रसाद काउंटर।

## जन-कल्याण और प्रेरणादायक पहल

उत्सव के दौरान समाज सेवा के विभिन्न आयामों को भी जोड़ा जाएगा। जन-कल्याणकारी संदेशों के प्रचार-प्रसार पर भी जोर रहेगा, जो देश में चल रहे विभिन्न सेवा अभियानों जैसेMAIN NEWS HEADLINE: गरीब कल्याण सम्मेलन, शिमला में प्रधानमंत्री का सम्के सेवा संकल्पों की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का संदेश देता है।

## पूजा पंडाल, सजावट और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष मंथन

पंडाल निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था इस बैठक के सबसे अहम मुद्दे रहे। भारी भीड़ के प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीक और पारंपरिक व्यवस्थाओं का समन्वय किया जाएगा।

## भव्य पंडाल और पर्यावरण अनुकूल सजावट

समिति ने निर्णय लिया है कि पूजा पंडाल को पर्यावरण-अनुकूल (Eco-friendly) सामग्रियों से सजाया जाएगा। आकर्षक प्रकाश सज्जा (LED Lighting) मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी, जिससे ऊर्जा की बचत भी सुनिश्चित की जा सके।

## सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी और मेडिकल टीम

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। पूरे मेला क्षेत्र और पंडाल परिसर में हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक चिकित्सा बूथ और एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित रहेगी।

## समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के बीच जिम्मेदारियों का बंट

सफल आयोजन के लिए विकेंद्रीकृत कार्यप्रणाली अपनाई गई है। समिति के विभिन्न पदाधिकारियों को विशिष्ट विभागों का प्रभार सौंपा गया है और आधिकारिक सदस्यों की एक विस्तृत listतैयार की गई है।

## विभिन्न उप-समितियों का गठन

आयोजन को सुचारू रूप से चलाने के लिए निम्नलिखित प्रमुख उप-समितियां गठित की गई हैं:

>> पंडाल एवं विद्युत प्रबंधन उप-समिति:संरचनात्मक मजबूती और विद्युत सुरक्षा की देखरेख।

>> सुरक्षा एवं स्वयंसेवक विंग:भीड़ नियंत्रण और कतारबद्ध दर्शन व्यवस्था।

>> प्रसाद एवं खानपान प्रबंधन:स्वच्छता और शुद्धता के साथ महाप्रसाद निर्माण एवं वितरण।

>> वित्त एवं लेखा समिति:आय-व्यय का दैनिक लेखा-जोखा और पूर्ण पारदर्शिता।

## पारदर्शिता और डिजिटल रिकॉर्ड

समिति ने स्पष्ट किया है कि दान और सहयोग राशि का हिसाब पूर्णत: पारदर्शी रखा जाएगा। सभी आय-व्यय के विवरण का नियमित ऑडिट किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की वित्तीय विसंगति न रहे।

## श्रद्धालुओं की सुविधा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर

मेले और पूजा के दौरान दूर-दराज से आने वाले महिला, वृद्ध और दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष गलियारे (Dedicated Corridors) बनाए जाएंगे।

## सांस्कृतिक संध्या और ज्ञानवर्धक सत्र

शाम के समय ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। जहां एक ओर भक्ति संगीत होगा, वहीं दूसरी ओर युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिज्ञासा जगाने वाली परिचर्चाएं भी रखी जाएंगी। जैसे लोग दुनिया के अनसुलझे विषयों जैसेबरमूडा ट्रायंगल का रहस्य: क्या समुद्र के नीचे सुलझ गई पहेली?को जानने में रुचि रखते हैं, वैसे ही भारतीय संस्कृति, खगोल और सनातन विज्ञान के रहस्यों पर विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी।

## पेयजल और स्वच्छता प्रबंधन

गर्मी और उमस को देखते हुए जगह-जगह शुद्ध शीतल पेयजल के स्टॉल लगाए जाएंगे। नगर परिषद सुगौली के सहयोग से मेला क्षेत्र में 24 घंटे सफाई कर्मियों की तैनाती रहेगी ताकि स्वच्छता का स्तर उत्कृष्ट रहे।

## शांतिपूर्ण एवं अनुशासित उत्सव के लिए स्थानीय लोगों से सहयोग

बैठक के समापन सत्र में महंथ मनीष दास और समिति के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से नगरवासियों और प्रशासन से पूर्ण सहयोग की अपील की।

## प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन

समिति ने स्थानीय पुलिस प्रशासन और अनुमंडल प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करने का संकल्प लिया। डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्रों की तीव्रता निर्धारित डेसिबल सीमा के भीतर ही रखी जाएगी।

सुगौली की ऐतिहासिक एकता और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए सभी समुदायों के लोगों से इस पावन पर्व को शांति, सद्भाव और उल्लास के साथ मनाने का अनुरोध किया गया है।

## निष्कर्ष

सुगौली में आयोजित श्री गणेश पूजा समिति की यह बैठक आगामी गणेशोत्सव को भव्य, सुरक्षित और अनुशासित रूप से मनाने की दिशा में एक ठोस और

सराहनीय कदम है। महंथ मनीष दास के नेतृत्व में गठित नई कार्यसमिति ने जिस गंभीरता और सूक्ष्मता के साथ जिम्मेदारियों का विभाजन किया है, उससे यह स्पष्ट है कि इस वर्ष सुगौली का गणेशोत्सव न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक समरसता की दृष्टि से भी एक मिसाल कायम करेगा।

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

यह महत्वपूर्ण बैठक महंथ मनीष दास के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें नगर के प्रमुख गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

समिति ने पूजा पंडाल, आकर्षक विद्युत सज्जा, श्रद्धालुओं की सुगम दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा निगरानी और सामाजिक समरसता पर आधारित कार्यक्रमों की विस्तृत रणनीति बनाई है।

जी हाँ, बैठक में सर्वसम्मति से विभिन्न विभागों के प्रभारियों की आधिकारिक List तय कर दी गई है और सभी को लिखित दायित्व सौंपे गए हैं।

सुरक्षा के लिए पूरे पंडाल क्षेत्र में 24x7 सीसीटीवी कैमरे, प्रशिक्षित वॉलंटियर्स और स्थानीय पुलिस बल के साथ संयुक्त निगरानी व्यवस्था का Status सक्रिय कर दिया गया है।

समिति द्वारा स्थानीय प्रतिभाओं के लिए डिजिटल रजिस्ट्रेशन फॉर्म और पूजा कार्यालय में ऑफलाइन फॉर्म दोनों माध्यमों से Apply Online ऑफलाइन पंजीकरण की सुविधा दी जा रही है।

हाँ, संपूर्ण पूजा कार्यक्रम, आरती का समय और सांस्कृतिक संध्या का शेड्यूल PDF प्रारूप में समिति के सोशल मीडिया हैंडल्स और सूचना पट्ट पर जारी किया जाएगा।

श्रद्धालु स्थानीय समाचार पोर्टलों, समिति के आधिकारिक सूचना केंद्र और सोशल मीडिया बुलेटिन पर जाकर हर दिन का Latest Update तुरंत Check कर सकते हैं।

हाँ, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए अलग प्रवेश द्वार, रैंप सुविधा और व्हीलचेयर के साथ समर्पित स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित की गई है।

स्थानीय नागरिक वॉलंटियर के रूप में श्रमदान, स्वच्छता अभियान में भागीदारी और समिति कार्यालय में संपर्क कर अनुशासित उत्सव प्रबंधन में प्रत्यक्ष सहयोग दे सकते हैं।